IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.301
Volume 3, Issue 1, September 2023

"वर्तमान युग में शिक्षा का बदलता परिवेश"

राकेश कुमार
(यू0जी0सी0नेट0 शिक्षा शास्त्र)
सहायक प्राध्यापक, शिक्षा संकाय, भगवान आदिनाथ कालेज ऑफ एजूकेशन, महर्रा ललितपुर

सारांश–वर्तमान समय बहुत तेजी से बदल रहा है इसमें चाहे बात करें शिक्षा के पाठ्यक्रम की और चाहे शैक्षिक उद्देश्यों की, शैक्षिक वातावरण की, अनुशासन की, विद्यार्थियों की ,चाहे शिक्षक की जवाब देही और गरिमा की, सभी में धीरे–धीरे परिवर्तन हो रहा है । आज शिक्षा को रोजगारपरक बनाए जाने की बात की जा रही है और होनी भी चाहिए। लेकिन इसमें हम विद्यार्थियों में नैतिकता ,संस्कार, उत्तरदायित्व की भावना, सामाजिक परिवेश ,समायोजन की अनदेखी नहीं कर सकते। आज आठवीं ,दसवीं के विद्यार्थी, किशोर उम्र के विद्यार्थी किसी भी जोखिम उठाने से पीछे नहीं है और कई आपराधिक वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। अभी घटित हुई मणिपुर की सामाजिक घटना जिसकी ना कि सिर्फ भारत बल्कि पूरे विश्व में थू–थू हो रही है। तो जरूरत है हमें फिर से उन्हें वैदिक कालीन शिक्षा पद्धति, विचारधाराओं की, संस्कारों की जिससे मानव को मानव समझा जा सके ।

संकेताक्षर –जवाबदेही,रोजगारपरक, समायोजन, मणिपुर, सामाजिक, संस्कार, आध्यात्मिक, आत्मानुभूति, उन्नति, इंटरनेट, आक्रामक, परिपक्वता, तालमेल, मानवीय मूल्य, अभिप्राय,।

संदर्भ सूची–

[1]. भारतीय आधुनिक शिक्षा जर्नल जनवरी 2017 एनसीईआरटी नई दिल्ली।
[2]. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भारत भारत सरकार।
[3]. मालती सारस्वत एवं प्रोफेसर एस एल गौतम भारतीय शिक्षा का विकास एवं उनकी समस्याएं आलोक प्रकाशन इलाहाबाद।
[4]. अवनीन्द्र शील भारतीय शिक्षा का विकास एवं समस्याएं 2009 साहित्य रत्नाकर कानपुर।